वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 160 | शनिवार 7 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

डॉक्टर से मारपीट के विरोध में डॉक्टरों का बंद

जयपुर में मेडिकल फैसेलिटी बंद रखने का निर्णय; मरीजों को हो सकती है परेशानी

जयपुर. कासं। जयपुर के जेएलएन मार्ग स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल में डॉक्टर संग हुई मारपीट की घटना के विरोध में 7 अक्टूबर को जयपुर में सभी प्राइवेट डॉक्टर्स ने अपने हॉस्पिटल और क्लीनिक में कार्य बहिष्कार करने का निर्णय किया है। प्राईवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स सोसायटी की जयपुर मेडिकल एसोसिएशन (जेएमए) हॉल में शुक्रवार देर रात हुई बैठक में ये निर्णय किया। सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. विजय कपूर ने बताया कि हॉस्पिटल के वरिष्ठ ईएनटी सर्जन डॉ. मोहन कुलहरी के साथ मरीज के परिजनों की ओर से की गई मारपीट की हम कड़ी निंदा करते है। हमने सरकार और पुलिस प्रशासन से आरोपियों के विरूद्ध तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए उन्हें तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है। डॉ. कपूर ने कहा कि आए दिन होने वाली ऐसी घटनाओं से डॉक्टरों में रोष है और इन पर रोकथाम के लिए प्रभावी व ठोस कदम उठाए जाने की मांग की है। डॉक्टर कपूर ने कहा कि जब तक पुलिस प्रशासन आरोपियों पर तुरंत कार्रवाई नहीं करती तब तक हम संपूर्ण मेडिकल बंद और शटडाउन रखेंगे। इस बंद में ओपीडी के अलावा इमरजेंसी सेवाओं को भी शामिल किया है। डॉ. कपूर ने बताया कि अगर सरकार या प्रशासन हमारी मांग पर कोई कार्यवाही नहीं करेगा तो 8 अक्टूबर से पूरे प्रदेश में बंद करने पर निर्णय कर सकते हैं।

बच्चों को दिया मैसेज, नहीं चुनें सुसाइड का रास्ता

राज्यपाल मिश्र बोले- भारत को विश्व की प्रमुख आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें

जयपुर. कासं

राज्यपाल कलराज मिश्र ने भारत को विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के जरिए उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलता है तो यह बहुत जल्द संभव हो सकता है। उन्होंने वैश्वीकरण में व्यवसायों को स्थानीय स्तर पर उत्कृष्ट उत्पाद तैयार करने के साथ उनके विपणन की भी कारगर नीति पर कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने युवाओं को ऐसे स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया जिससे वह स्वयं तो आत्मनिर्भर हों ही, दूसरों को भी रोजगार प्रदान कर सकें। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की सोच के साथ उद्योग व्यवसायों के विकास की सोच पर कार्य करने का भी आह्वान किया। मिश्र शुक्रवार को सीतापुरा स्थित जयपुर प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन 'जीतो–2023' के उद्घाटन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'जीतो' से जुड़े उद्योगपति विश्व स्तर पर ऐसे उत्पाद हमारे यहां विकसित करने में मुख्य भूमिका निभाएं जिनका विश्व के सभी देशों में उनकी आवश्यकता के अनुरूप निर्यात हो सके। पर इस बात का भी ध्यान रखा जाए कि जो कुछ हमारे यहां उत्पादित हो या जो सेवाएं हमारे यहां से दी जाए–उनमें गुणवत्ता की दृष्टि से किसी प्रकार का समझौता नहीं हो। वे दूसरे देशों के मुकाबले सस्ती हों, टिकाऊ हो और हरेक वर्ग के लिए प्रयोग करने वाली हों।

जेकेके में मांड गायन की गूंज, प्रतिभागियों ने घोली मधुरता

कार्यशाला में सीखे सबक किए साकार, गायक अली-गनी ने प्रतिभागियों को दी जानकारी

जयपुर. कासं। धोरो की धरती और मरु प्रदेश के मस्तक को ऊंचा करती मांड गायकी। इसी मांड गायकी की मधुरता शुक्रवार शाम कृष्णायन सभागार में घुल गई। मौका था, जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित मांड गायकी कार्यशाला के समापन समारोह का। कार्यशाला के 45 प्रतिभागियों ने प्रसिद्ध मांड गायक और प्रशिक्षक अली मोहम्मद-गनी मोहम्मद के साथ मंच साझा किया और हारमोनियम, तबला और सारंगी की संगत के साथ राजस्थानी गीत गाए। इस सुरीली प्रस्तुति का श्रोताओं ने खूब आनंद लिया। इस दौरान जवाहर कला केन्द्र की अतिरिक्त महानिदेशक प्रियंका जोधावत व बड़ी संख्या में कला प्रेमी मौजूद रहे। पारंपरिक परिधान में युवक-युवतियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। 'केसरिया बालम, पधारो म्हारे देस' से प्रस्तुति की शुरूआत हुई। नायक-नायिका के प्रेम भरे संवाद को व्यक्त करने वाले गीत 'बन्ना नथ म्हारी भीजै रे' और विरह के भावों से भरे गीत 'म्हारा सजनिया रे', 'अरे ओलुडी घणी आवे रे' भी पेश किए गए। मनवार गीत 'बन्ना थानै चंद बदणी परणावां' समेत कई गीतों से प्रतिभागियों ने महफिल को सजाया। परमेश्वर कथक ने तबले पर तो अमीरुद्दीन ने सारंगी पर संगत की। मांड गायकी को सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध नजर आए। हर गीत के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा। प्रतिभागियों ने कार्यशाला से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि मांड गायकी प्रदेश की गौरवशाली संस्कृति का हिस्सा है, कार्यशाला के जरिए इससे जुड़ने का अवसर मिला। गौरतलब है कि जवाहर कला केन्द्र की ओर से 10 दिवसीय मांड गायन कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल सहित तीन सदस्यों ने राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड में किया कार्यभार ग्रहण

राजस्थान जैन सभा सहित विभिन्न संस्थाओं द्वारा अभिनन्दन, आज शनिवार को-भट्टारक जी की नसियां में होगा अभिनन्दन समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किए गए पांच सदस्यों में से दो पदाधिकारियों एवं एक सदस्य ने शुक्रवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। वहीं राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में शनिवार को भट्टारक जी की नसियां में बोर्ड के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल सहित पांचों सदस्यों का विभिन्न संस्थाओं की ओर से अभिनन्दन किया जाएगा। अध्यक्ष एडवोकेट सुधान्शु कासलीवाल सहित उपाध्यक्ष प्रकाश भाई सिंघवी, सदस्य सीए मनीष मेहता ने शुक्रवार को सायंकाल 5.00 बजे बाईस गोदाम, सिविल लाइन स्थित अम्बेडकर भवन पहुंचकर जयकारों के बीच बोर्ड का कार्यभार ग्रहण किया। इस मौके पर समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों सहित समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्षा अर्चना शर्मा, जैन समाज के उमराव मल संघी, पी के जैन, अशोक जैन नेता, महेश काला, मनीष बैद, विनोद जैन कोटखावदा, भारतभूषण जैन, रुपिन काला, अनिल दीवान, पदम बिलाला, भानू छाबड़ा, राकेश छाबड़ा, श्रीमति ऋतु कासलीवाल सहित बड़ी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए। सभी ने गुलदस्ता भेट कर एवं माला पहनाकर नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उपस्थित जैन बन्धुओं ने कासलीवाल सहित अन्य सदस्यों को मालाओं से लाद दिया। इस मौके पर सभागार भगवान महावीर के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड के नव नियुक्त अध्यक्ष एडवोकेट सुधान्शु कासलीवाल सहित उपाध्यक्ष प्रकाश भाई सिंघवी एवं तीनो सदस्यों का राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में सकल जैन समाज की ओर से शनिवार को एक समारोह में अभिनन्दन किया जाएगा। सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि शनिवार को दोपहर 3 बजे से आयोजित इस अभिनन्दन समारोह में पांचों सदस्यों का समाज की ओर से अभिनन्दन किया जाएगा। सभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक समारोह के लिए राकेश छाबड़ा को संयोजक बनाया गया है।

वृहद तीन लोक महाआराधना प्रारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। बरकत नगर में पुण्य वर्धक वर्षायोगरत आचार्य नवीननंदी महाराज के पावन सान्निध्य में तीन लोक महाआराधना महा विधान किया जा रहा हैं जो तीन अक्टूबर से पच्चीस अक्टूबर तक चलेगा। प्रचार संयोजक सतीश जैन अकेला ने बताया कि इस महा विधान में पन्द्रह हजार अर्घ समर्पित किए जाएंगे ' विधान की पूर्ण क्रियाएं पूज्य आचार्य नवीननंदी जी के मार्ग दर्शन में सम्पन्त हो रही हैं ।

आचार्य विमल सागर जी मुनिराज का 108 वां जन्म जयंती समारोह आज शनिवार से

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री 1008 संकटहरण पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर फागीवाला आमेर में विराजमान उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज के पावन सानिध्य में वात्सल्य रत्नाकर आचार्य विमल सागर मुनिराज का 108 वां जन्म जयंती पर्व बहुत धूमधाम के साथ प्रारंभ हो रहा है। मुख्य संयोजक रुपेंद्र छाबड़ा ₹अशोक ₹ ने बताया कि आज शनिवार दिनांक 7 अक्टूबर को प्रातः 7.30 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा एवं मध्यान्ह 1.00 बजे से ऋषि मंडल विधान की पूजन होगी, सांयकाल आरती तत्पश्चात भक्ति संध्या का आयोजन है। कल रविवार दिनांक 8 अक्टूबर को प्रातः अभिषेक शांतिधारा एवं मंदिर प्रांगण में स्थित मानस्तंभ का प्रति 5 वर्ष के अंतराल में होने वाले मस्तकाभिषेक का कार्यक्रम है, दोपहर 1:00 बजे से गुणानुवाद सभा जिसमें आचार्य श्री की पूजा अर्चना का कार्यक्रम है , संपूर्ण देश से पधारे विद्वान अपनी विनियांजलि अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में पूज्य उपाध्याय श्री के मंगल प्रवचन होंगे।

विशाल पदमपुरा पदयात्रा आज 7अक्टूबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन युवा परिषद की ओर से जयपुर स्तरीय विशाल पदमपुरा पदयात्रा आज 3 बजे संघी जी मंदिर सांगानेर से रवाना होगी, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र बोहरा, महामंत्री रवि रावंका ने अवगत कराया कि इस पदयात्रा में जयपुर शहर के करीब 30 मंदिरों से जैन समाज के लोग पदयात्रा में शामिल हो रहे हैं ! पदयात्रा रात्रि 1 बजे तक पदमपुरा पहुंच जायेगी सभी पदयात्री रविवार को प्रातः सामुहिक कलशाभिषेक एवम् पदंप्रभू विधान करने के पश्चात सामूहिक गोठ का आयोजन होगा संयोजन कर्ता नेमि चंद छाबड़ा, विजय जैन 'खटवाड़ा वाले' राकेश काला, मिथिलेश जैन , सारथी काला, अनंत जैन विनय सोगाणी 'वर्ल्ड जेम्स', महेश काला, महेंद्र गिधरवाल , अनिल जैन Ret. IPS ,दीक्षांत हाडा, विनोद जैन 'लदाना' अविनाश जैन, अल्का जैन 'AEN',श्रीमती रतन सौगाणी,विनोद पापड़ीवाल, विजय पाटनी ,प्रेरणा लुहाड़िया रानी पाटनी होंगे ।

दो दिवसीय तीर्थ वंदना यात्रा का भव्य आयोजन आज

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्राचीन अतिशकारी श्री शांतिनाथ दि जैन मंदिर मेन मार्केट जगतपुरा की ओर से परम पूज्य आचार्य गुरुदेव 108 श्री विमल सागर जी महाराज के 108वे अवतरण दिवस महोत्सव के पावन अवसर पर दो दिवसीय ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन किया जायेगा ।कार्यक्रम संयोजक विनोद पापडीवाल राकेश पाटनी की जानकारी अनुसार शनिवार रविवार 7-8 अक्टूबर को जगतपुरा मंदिर से प्रथम बार दो दिवसीय तीर्थ वंदना यात्रा का भव्य आयोजन किया जायेगा प्रातः 8 बजे जैन समाज के प्रसिद्ध गौरवशाली समाज गोरव विनय श्रीमती स्नेहलता मृदल सिमरन निमित्त सौगानी वर्ल्ड जैम्स वाले जैन ध्वजा फहरा कर यात्रा का शुभारंभ करेंगे ।

सुधांशु कासलीवाल के राजस्थान राज्य श्रवण संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष बनने पर आतिशबाजी कर बाटी मिठाईयां

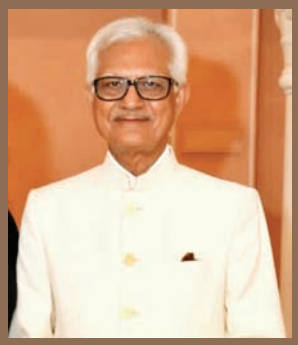

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी । श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी मंदिर कमेटी के अध्यक्ष एवं जैन समाज के गौरव वरिष्ठ अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल को राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान राज्य श्रवण संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष बनाने पर क्षेत्र के लोगों ने खुशी जाहिर कर आतिशबाजी कर मिठाइयां बांटी। जैन सोशल ग्रुप श्री महावीर जी के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन एवं श्री दिगंबर जैन कृष्णावाई जी मंदिर के मैनेजर तरुण कुमार ने बताया कि कासलीवाल समाज के विभिन्न उच्चस्तरीय पदों पर रहकर आमजन को पिछले काफी वर्षों से राहत पहुंचाकर आम लोगों की सेवा कर रहे हैं राजस्थान सरकार ने उनकी ईमानदारी व कर्तव्य निष्ठा को देखते हुए गुरुवार को राजस्थान राज्य श्रवण संस्कृति बोर्ड का अध्यक्ष बनाकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। गौरतलब है कि यह बोर्ड का गठन राजस्थान सरकार ने पिछले महीने ही किया था। इस बोर्ड में एक अध्यक्ष एक उपाध्यक्ष 3 सदस्य सहित पांच लोगों को मनोनीत किया है ।जिसमें अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता सुधांशु कासलीवाल, उपाध्यक्ष पद पर प्रकाश भाई सिंघवी एवं सदस्य पद पर उद्योगपति आरके मार्बल ग्रुप के प्रमुख अशोक पाटनी, दिनेश खोडनिया, मनीष मेहता की राजस्थान सरकार द्वारा नियुक्ति की गई है। इन सभी का कार्यकाल 5 अक्टूबर से लेकर 3 वर्ष का रहेगा। कासलीवाल जी की नियुक्ति पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन कोषाध्यक्ष संजय कुमार जैन संरक्षक महेश कासलीवाल मंत्री विकास कुमार संयुक्त मंत्री राजकुमार पांडे संजय जैन चक्रेश जैन अरविंद जैन राम अवतार शर्मा तरुण कुमार सहित अन्य सभी समाजों के गणमान्य लोगों ने खुशी जाहिर कर आतिशबाजी कर मिठाइयां बांटी।

डॉ जैन शिरोमणि की उपाधि से सम्मानित

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

ग्वालियर। ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन को उनके ज्योतिष के क्षेत्र में लगातार 25 वर्षो से कार्य करने और 4 जटिल मुद्दों पर भविष्यवाणियां अक्षरशः सत्य सिद्ध होने पर मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर महाराज जी के सानिध्य में जैन मिलन स्वतंत्र डबरा के तत्वाधान में ज्योतिष शिरोमणि की उपाधि से सम्मानित किया गया है। डॉ.जैन की इस उपलब्धि पर सभी इष्टमित्रों एवम शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति ने सुधांशु कासलीवाल का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रमण संस्कृति बोर्ड में राजस्थान सरकार द्वारा सुधांशु कासलीवाल को अध्यक्ष बनाए जाने पर श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जेके जैन कालाडेरा ने उनको माला पहनाकर अध्यक्ष बनने की बधाई दी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की।

कर्म अगर अच्छे होगे तो भगवान भी तुम्हारा बाल बांका नहीं कर सकता है : महासती प्रितीसुधा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। कर्म अगर अच्छे है तो भगवान भी तुम्हारा बाल बांका नहीं कर सकता है। शुक्रवार अहिंसा भवन शास्त्रीनगर मे महासती प्रितीसुधा ने श्रध्दांलूओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि कर्म किसी को भी नहीं बख्शते है। भोगने ही पड़तें है इन कर्मो ने भगवान को नहीं बख्सा फिर साधारण इंसान की क्या औकात है वह पाप कर्म करके बच जाएगा। संसार मे प्रत्येक मनुष्य को अपने -अपने कर्मो के हिसाब से फल भोगना ही पड़ता है कर्म परछाई की तरह है जैसा हम करते वैसा हमे भोगना पड़ेगा। आज नही तो कल जब कर्म उदय मे आते है कर्मो का सूत सही भूगतान करना पड़ेगा। जब तक मनुष्य के सम्पूर्ण कर्मो क्षय नहीं हो जातें है तब तक आत्मा को सदगिती और मोक्ष नहीं मिलने वाला है। अहिंसा भवन के मुख्य मार्ग दर्शक अशोक पोखरना अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल ने बताया इसदौरान साध्वी संयमसुधा के 21 उपवास के साध्वी उमराव कंवर से प्रत्याख्यान लिए । साध्वी संयम के तपस्या के उपलक्ष्य मे चंदन बाला महिला मंडल के द्वारा अहिंसा भवन मे चौबीसी का आयोजन रखा गया जिसमें बड़ी संख्या मे बहनों के साथ महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल,रजनी सिंघवी,मंजू पोखरना,संजूलता बाबेल उमा आंचलिया,वनिता बाबेल सुनिता झामड़,मंजू बापना ,अंजना सिसोदिया वन्दना लोढ़ा , सुमित्रा सिंघवी आदि महिला पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। चौबीसी मे भाग लेने वालो को मधु चौधरी सरिता चौधरी तथा छट रस के छत्तीस दिन तक की तपस्या करने वालो को ललित नीता बाबेल की तरफ से प्रभावना दी गई। निलिष्का जैन ने जानकारी देते हुए बताया की साध्वी संमय सुधा के साता अनूसार उग्र तपस्या करने की भावना है। आज 21 उपवास है

आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर द्वारा स्थापना दिवस पर अनेक कार्यक्रम करने का निर्णय किया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। चंद्रशेखर आजाद नगर स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर द्वारा आयोजित धर्म सभा में विराजित श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ को बापू नगर दिगंबर जैन समाज केमुनिश्री ससघ के सानिध्य में मंदिर स्थापना कार्यक्रम आयोजित करने का निवेदन किया। प्रतिनिधियों ने श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि आगामी 12 नवंबर 2023 को पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर बापू नगर का स्थापना दिवस है। इस हेतू 12 नवंबर से पहले अथवा 12 नंबर के बाद मुनिश्री ससघ के सानिध्य में मंदिर स्थापना कार्यक्रम आयोजित करने का निवेदन किया। मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने आशीर्वाद देते हुए आगामी तिथि दिनांक समाज को बता दी जाएगी। मुनी ससंघ के बापू नगर में आगमन की घोषणा से बापूनगर समाज में हर्ष व्याप्त हुआं। इस अवसर पर पूनम चंद सेठी, प्रकाशपाटनी, ताराचंद झाझरी, गोवर्धनअग्रवाल, राकेश बघेरवाल, कन्हैयालाल पाटनी, रूपेश कासलीवाल दिलीपपाटनी ,ताराचंदअग्रवाल, कमलेश सेठी सुमन पाटनी, प्रेम बाई, माया अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कोशिश करने वाले की कभी हार नहीं होती। असफलता ही हमें सफलता का राज बताती है। कोई भी कार्य छोटा-बड़ा नहीं होता। मनुष्य को अपने प्रत्येक कार्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। कोई भी कार्य छोटा-बड़ा नहीं होता, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि कार्य के प्रति हमारी मनोदशा कैसी है। यदि हम कोई छोटा कार्य कर रहे हैं, लेकिन हम उसके प्रति पूर्ण मनोयोग से समर्पित हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं तो वह कार्य भी हमारे लिए अतिमहत्वपूर्ण हो जाएगा। कार्य की सफलता की नींव हमारी सकारात्मक सोच पर निर्भर है। स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि इस दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं। आप जो चाहते हैं वह आपको मिल सकता है, बशर्ते पहले आप कुछ चाहें तो। असल में ज्यादातर लोगों को अपनी सफलता पर संशय रहता है। उन्हें असफलता का भय सताता है और इस वजह से वे कोशिश तक नहीं करते। जब तक असफलता का भय हमारे दिमाग में बैठा रहता है तब तक हमारी सफलता संदिग्ध ही रहती है, लेकिन जब हम इस भय से ऊपर उठ जाते हैं तब हम निर्भीक होकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। कोशिश करने वाले की कभी हार नहीं होती। यदि आप उन लोगों के बारे में जानेंगे जिन्होंने अपने जीवन में बड़े काम किए हैं तो मालूम होगा कि वे लोग सफलता हासिल करने के लिए असफलता का खतरा उठाने से नहीं डरे। असफलता ही हमें सफलता का राज बताती है। कई बार अपनी सफलता के प्रति हम इसलिए भी आश्वस्त नहीं होते, क्योंकि हम अपनी तुलना दूसरों से करने लगते हैं। जीवन में कभी भूलकर भी किसी से अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि आप जैसे हैं इस सृष्टि में सर्वश्रेष्ठ और अद्वितीय हैं। ईश्वर की हर रचना अपने आप में सर्वोत्तम और अद्भुत है। महान व आदर्श कार्य करने के लिए आपको इस बात में विश्वास करना होगा कि आप सर्वश्रेष्ठ हैं और आप बहुत कुछ कर सकते हैं। इसका आपके अचेतन मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब हम अपनी सोच बदलते हैं तो हमारी दुनिया ही बदल जाती है। मनुष्य की सफलता-असफलता उसके विश्वासों और विचारों पर ही निर्भर करती है।

संपादकीय

ऐसी स्थिति में किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी?

इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि लोग किसी बीमारी या आपात अवस्था में इलाज और जान बचाने की भूख में अस्पताल का रुख करें, लेकिन वहां एक तरह से मौत बंट रही हो! महाराष्ट्र में नांदेड़ के एक सरकारी अस्पताल में बीते दो दिनों में जैसा मंजर सामने आया, वह अपने आप में यह बताने के लिए काफी है कि जहां मरीजों की जान बचाना सबसे बड़ा दायित्व होना चाहिए, वहां लापरवाही का आलम एक त्रासदी खड़ी कर रहा है। गौरतलब है कि नांदेड़ के सरकारी अस्पताल में इकतीस लोगों की मौत हो गई, जिनमें सोलह बच्चे थे। एक ओर एक-एक करके मरीजों की जान जाती रही और दूसरी ओर अस्पताल प्रशासन की लापरवाही कायम रही। जिस स्थिति पर अस्पताल प्रशासन को जवाब देना चाहिए, उस पर यह अफसोसनाक प्रतिक्रिया आई कि वहां न दवाइयों की कमी है, न डाक्टरों की। सटीक इलाज के बावजूद मरीजों पर कोई असर नहीं हुआ। बच्चों की मौत के मामले में एक तरह से रटा-रटाया जवाब पेश किया गया कि उनकी स्थिति पहले से ही बेहद कमजोर थी और उनका वजन कम था। हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नांदेड़ के बाद नागपुर के भी एक सरकारी अस्पताल में चौबीस घंटों में कई लोगों के मरने की खबर आई। सवाल है कि इतनी बड़ी तादाद में मरीजों की मौत को क्या स्वाभाविक घटना मान लिया जाए? अगर किसी अस्पताल में दो दिनों के भीतर इतनी संख्या में लोगों की मौत होती है तो क्या यह किसी अव्यवस्था और लापरवाही का नतीजा नहीं है? जब मामले ने तूल पकड़ लिया तब सरकार की ओर से इसकी जांच कराने की बात कही गई है। लेकिन क्या यह राज्य में इस तरह की कोई पहली घटना है? ज्यादा दिन नहीं हुए जब महाराष्ट्र के ही ठाणे जिले के एक अस्पताल में अड़तालीस घंटे में अठारह लोगों की मौत हो गई थी। आखिर सबक लेने के लिए कितनी घटनाओं की जरूरत होती है? इस तरह की हर घटना के बाद यह सफाई दी जाती है कि मरीज की बीमारी गंभीर अवस्था में पहुंच गई थी। नांदेड़ के जिस अस्पताल में मरीजों के मरने की घटना सामने आई है, वह करीब अस्सी किलोमीटर के दायरे में एकमात्र सरकारी अस्पताल है और वहां दूर-दूर से मरीज इलाज के लिए आते हैं। अगर किसी वजह से मरीजों की संख्या बढ़ जाती है तो दवा और अन्य संसाधनों के मामले में समस्या खड़ी हो जाती है। आरोप यहां तक सामने आए कि तपेदिक के मरीजों को अपने स्तर ही दवा खरीद कर खाने के लिए कहा जाता है। सवाल है कि ऐसी स्थिति में किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी? यों महाराष्ट्र की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को अपेक्षया बेहतर स्थिति में माना जाता रहा है। लेकिन विपक्षी दल आरोप लगाते हैं कि पिछले एक साल से स्थिति तेजी से बिगड़ती गई है और आज स्वास्थ्य विभाग सबसे उपेक्षित महकमों में गिना जाता है। कोई भी अस्पताल लोगों का जीवन बचाने के लिए होता है। अगर वहां एक साथ इतनी संख्या में लोगों की जान जाने लगे तो इसके पीछे अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही, संसाधनों का अभाव, डाक्टरों की कमी आदि बहुस्तरीय समस्याएं हो सकती हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आत्महत्या!

जब पढ़ाई और परीक्षा में प्रदर्शन के दबाव की वजह से विद्यार्थियों के बीच आत्महत्या के बढ़ते मामले चिंता के केंद्र में आ गए हैं, ऐसे समय में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से एक बेहद जरूरी पहल की गई है। उम्मीद नाम से तैयार अपने मसविदा दिशानिर्देशों में मंत्रालय ने कहा है कि बच्चों के बीच आत्महत्या की बढ़ती समस्या को रोकने के लिए वेलनेस यानी आरोग्य टीम गठित की जाए और साथ ही अगर कोई विद्यार्थी आत्महत्या के जोखिम से जुड़ा कोई संकेत प्रदर्शित करता है तो उसकी तत्काल पहचान करके उसे ऐसी स्थिति से बाहर लाने में सहयोग किया जाए। दरअसल, यह एक जटिल समस्या के रूप में चिह्नित किया जा सकता है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान पढ़ाई-लिखाई में उपजी नई परिस्थितियां कुछ विद्यार्थियों के सामने ऐसा दबाव पैदा कर रही हैं कि कई बार वे उसे बर्दाश्त कर पाने में सक्षम नहीं हो पाते और आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं। इस स्थिति की मूल वजहों के साथ-साथ समस्या यह भी है कि ऐसी स्थिति में पड़े बच्चों को ठीक समय पर आसपास का सहयोग नहीं मिल पाता है और वे अपने उलझे हालात में और गहरे फंसते चले जाते हैं। ऐसे में स्कूलों या शैक्षिक संस्थानों के भीतर भी अगर कोई ऐसा तंत्र खड़ा किया जा सके जो दबाव और उससे उपजी परिस्थितियों का सटीक आकलन करे और इसके असर में पड़े विद्यार्थियों की पहचान करके समय पर ठोस मदद मुहैया कराए तो इस समस्या पर काबू पाना मुश्किल नहीं है। इस मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के दिशानिर्देश एक बेहतर रास्ता तैयार करने की कोशिश है, जिसे विकसित करने के पीछे का मुख्य विचार है- हर बच्चे का महत्त्व है। इसके तहत स्कूलों को संवेदनशीलता और समझ बढ़ाने के साथ-साथ अपना नुकसान करने से बचाने के लिए बच्चों को समय पर सहायता प्रदान करने को कहा गया है। यों भी आत्महत्या आमतौर पर अचानक उपजी परिस्थिति का नतीजा नहीं होते और इसमें सामाजिक धारणाएं और सोच एक प्रमुख कारक और प्रभाव के रूप में काम करती हैं। इसलिए दिशानिर्देश में स्कूलों, अभिभावकों और समुदाय के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने, खुदकुशी को रोकने और आत्मघाती व्यवहार से जुड़ी नकारात्मक सोच को खत्म करने के मकसद से सामाजिक सहयोग और समर्थन को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया है। यह विडंबना ही है कि बच्चों के लिए स्कूली या किसी भी स्तर की जो शिक्षा सहजता से ज्ञान प्राप्त करने, बौद्धिक विकास और व्यक्तित्व निर्माण का जरिया होना चाहिए, वह एक ऐसे दबाव के रूप में काम करने लगती है, जिसका बोझ सह पाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। सवाल है कि हर परीक्षा में सबसे ज्यादा अंक लाने, किसी प्रतियोगिता में हर हाल में सफल होने और पद हासिल करने की बेलगाम होड़ बच्चों में कैसे पैदा हो जाती है? स्कूल से लेकर समाज और खुद अभिभावकों के भीतर परीक्षा में ऊंचे अंक के आधार पर देखने की भूख ने बच्चों के कोमल मन-मस्तिष्क को इस कदर नुकसान पहुंचाया है कि पढ़ाई-लिखाई के बीच उनके विवेक, धीरज और संतुलन पर इसका घातक असर पड़ता है। शिक्षा और शिक्षण की परिस्थितियों को सहज और ज्ञान प्राप्ति का जरिया बनाने के साथ-साथ अगर बच्चों के भीतर उथल-पुथल की पहचान समय पर करके उन्हें मनोवैज्ञानिक सहायता मुहैया कराई जा सके तो इस समस्या का हल निकाला जा सकता है। लेकिन इसके लिए अंक आधारित महत्त्वाकांक्षा की परिभाषा को बदल कर बेहतर, संवेदनशील और बुद्धिमान मनुष्य बनाने की कसौटी तैयार करनी होगी। इस लिहाज से देखें तो केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर जारी ताजा दिशानिर्देश एक स्वागतयोग्य पहल है।

कर्म किसी को भी नहीं बख्शते हैं भोगने ही पड़तें है: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। आत्मा की सच्चाई और कर्मो के सिध्दांतो को जानकर जो मनुष्य विवेक पूर्वक जीवन यापन करता है.और पाप कर्मो के बंधन नहीं करेगा तो वह अपने पूर्व मे बंधे अशुम कर्मो को घटा कर पुण्य के संचय द्वारा अपनी आत्मा को पवित्र और मोक्ष दिलवा सकता हैं।शुक्रवार साहूकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने श्रध्दांलूओ और एकासन तप करने वालों को सम्बोधित करतें हुए कहा कि संसार के प्रत्येक प्राणी को अपने कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है।यह कर्म किसी को भी नहीं छोड़तें है भोगने पर ही छुटते है। इन कर्मो ने तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी,भगवान राम वासुदेव श्रीकृष्ण को नहीं बक्शा फिर हमारे जैसे साधारण मनुष्य की क्या औकात है जो अशुम कर्म करने के बाद भी बच जाऐगा।कर्म हमारे परछाई की तरह है

जिसे हम चाहकर भी अलग नहीं कर सकते,ठीक उसी प्रकार हमारे द्वारा किए गए कर्म भी हमारा पीछा नहीं छोड़ते। कितने ही छिपकर कर्म किए जाएं, उन्हें भुगतना ही पड़ता है। कर्म ही सृष्टि का आधार है। चाहे सकारात्मक हो या नकारात्मक,उस कर्म का फल तो उसे भोगना ही पड़ता है। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्यय सूत्र का वांचन करतें हुए कहा कि एक छोटा सा अशुम कर्म आत्मा की गति को बिगाड़ देता है और दुर्गति करवा देता है।कर्म हमारे अच्छे है तो दुनिया की कौई भी ताकत हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती है और कर्म हमारे खराब है तो भगवान भी हमे नहीं बचा सकता है। साहूकार पेट श्री एस.एस.जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया धर्मसभा मे एक सौ अस्सी से अधिक बहनों ने सामूहिक रूप से एकासन व्रत तप के साध्वी वृंद से प्रत्याख्यान लिए और तपस्वी बहनों के एकासन व्रत करने पर श्रीसंघ के महामंत्री सज्जनराज सुराणा,हस्तीमल खटोड़, सुरेश डूगरवाल शम्भूसिंह कावड़िया, अशोक सिसोदिया, सुभाष काकलिया, ज्ञानचन्द चौरड़िया,शांतिलाल दरड़ा आदि सभी ने अनूमोदना करते हुए सभी बहनों को एक साथ एकासना करवाया। दिनांक 14 और 15 अक्टूबर को साहूकार पेट श्री संघ के तत्वावधान भारतीय जैन संघठन द्वारा के साध्वी धर्मप्रभा के सानिध्य में बालिकाओं को आत्म निर्भर बनाने किए दो दिवसीय स्मार्ट गर्ल प्रोग्राम रखा गया है।

निवाई जैन समाज ने राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया

सुधांशु कासलीवाल के अध्यक्ष बनने पर जैन समाज निवाई में खुशी की लहर

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई।राजस्थान राज्य श्रमण संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल को बनाये जाने पर सकल दिगम्बर जैन समाज निवाई ने खुशी जाहिर करके राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार प्रकट किया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि नवगठित श्रमण संस्कृति बोर्ड का अध्यक्ष और अशोक पाटनी (आर के मार्बल) व दिनेश खोडानिया को सदस्य बनाया गया। इसमें प्रकाश भाई सिंघवी को उपाध्यक्ष बनाये जाने और मनीष मेहता को सदस्य बनाये जाने के आदेश सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने जारी कर दिये हैं। इस दौरान जैन समाज कार्याध्यक्ष नेमीचंद गंगवाल मंत्री महावीर प्रसाद पराणा बड़ा जैन मंदिर अध्यक्ष विनोद पांडया मंत्री महेन्द्र चंवरिया विमल पाटनी विष्णु बोहरा पारस पहाड़ी सुनील भाणजा पवन बोहरा मनोज पाटनी अशोक कटारिया त्रिलोक सिरस महावीर प्रसाद पहाड़ी राजेन्द्र बगड़ी ओमप्रकाश चंवरिया सुशील आरामशीन गोपाल कठमाणा दिनेश चंवरिया सन्मति चंवरिया महेश गिन्दोडी अमित कटारिया त्रिलोक पांडया मुकेश बनेठा महावीर प्रसाद छाबड़ा पुनित संधी डाक्टर राहुल जैन

अवधेश जैन विमल सोगानी राकेश संधी प्रेमचंद सोगानी सुशील गिन्दोडी अशोक बिलाला कमल चंवरिया अशोक चंवरिया दिनेश सोगानी सहित कई संगठनों के गणमान्य लोगों ने खुशी जाहिर की। जौंला ने बताया कि नवनियुक्त अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल वर्तमान में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने बताया कि सुधांशु कासलीवाल के श्रमण संस्कृति बोर्ड के अध्यक्ष बनने पर समाज में नई जाग्रति आएगी।

जीवन में जो समय मिला उसमें धर्म से जुड़ सदुपयोग कर लो : इन्दुप्रभाजी म.सा.

रूप रजत विहार में नियमित चातुर्मासिक प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हमारी जिंदगी बढ़ नहीं रही बल्कि निरन्तर घट रही है। हमारा समय रात-दिन की भागदौड़ में ही बीता जा रहा है। हमे जो समय मिला है उसे जप, तप व साधना में लगा सके तो आत्मकल्याण कर पाएंगे। यह अटल सत्य है कि संसार में जो आएगा वह जाएगा लेकिन कब जाएगा ये कोई नहीं जानता। इसलिए कभी ये भ्रम नहीं रहे कि हमारे पास धर्म करने के लिए अभी तो बहुत समय है। जो भी समय मिल रहा है उसमें धर्म से जुड़कर सदुपयोग कर सके तो हमारा जीवन सार्थक बनेगा।ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शुक्रवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हम सांसारिक मोहजाल में इस कदर उलझे हुए है कि कई बार हमे धर्म का महत्व ही समझ नहीं आता। हम जब तक सांसारिक मोहमाया से बाहर नहीं निकलेंगे धर्म की साधना सच्चे मन से नहीं कर पाएंगे। साध्वीश्री ने जैन रामायण का वाचन करते हुए सीता एवं राम के विवाह से पहले के प्रसंगों की चर्चा की। तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. ने भजन की प्रस्तुति देने के साथ अधिकाधिक जिनवाणी श्रवण कर धर्म प्रभावना करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हम संसार सुख पाने की होड़ में जुटे है जब संसार के सुख कभी हमारे कल्याण का साधन नहीं बन सके। हमारा कल्याण धर्म से जुड़ने पर ही होगा। चातुर्मास में जिनवाणी श्रवण करना भी धर्म से जुड़ने का श्रेष्ठ माध्यम है। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ.चेतनाश्रीजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा के अनुसार नियमित चातुर्मासिक प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। चातुर्मासकाल में रूप रजत विहार में प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना, दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र का जाप हो रहा है।

विनायक वेलफेयर सोसायटी में राजेश शर्मा उपाध्यक्ष बने

जयपुर. शाबाश इंडिया। विनायक वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष शशि शंकर शर्मा द्वारा सोसायटी में राजेश शर्मा उपाध्यक्ष, सचिव पदम गुर्जर, संगठन मंत्री रवि गुर्जर, मीडिया प्रभारी कमल शर्मा(पत्रकार) को मनोनित किया गया। महामंत्री विकास कुमार शर्मा और कोषाध्यक्ष राजेंद्र जांगिड़ ने बताया कि सोसायटी के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में आयोजित समारोह में सबने खुशी जाहिर की।

जैन सोशल संगिनी डायमंड द्वारा कन्या आवासीय महाविद्यालय में बालिकाओं को भोजन कराया

जयपुर। जैन सोशल संगिनी डायमंड द्वारा एक अत्यंत नेक सामाजिक कार्य नई सोच नया प्रयास, नारी के साथ नारी का विकास सभी संगिनी डायमंड संगिनियों के सहयोग से आयोजित किया गया। मुनिपुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से निर्मित संत सुधासागर कन्या आवासीय महाविद्यालय में वहाँ की 160 छात्राओ को एक समय का भोजन करा कर पुण्यार्जन किया और हाइजीन वस्तुएं भी प्रदान की गई है। तत्पश्चात क्षमावाणी मिलन का आयोजन रेस्टोरेंट किचन 21 में ब्रंच की व्यवस्था के साथ किया गया। इस नेक कार्यक्रम के गौरवममयी अतिथिगण jsgif नॉर्थन रीजन संगिनी फोरम कन्वीनर श्वेता लुनावत , श्री दिगंबर जैन महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोडया, राजस्थान अंचल अध्यक्ष शालिनी बाकलीवाल ने उपस्थित हो कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। तत्पश्चात शीला डोडया ने शपथ दिलाई की जन्मदिन समारोह मे दीप प्रज्वलित करके केक को चम्मच से खाएंगे। कार्यक्रम फाउंडर प्रेसिडेंट रितु जैन,प्रेसिडेंट खुशबू जैन, सेक्रेटरी पूजा जैन व संगिनी डायमंड की टीम के नेतृत्व मे सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन, आचार्य जयकीर्ति पुरस्कार से सम्मानित

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया। जैन विश्व भारती संस्थान, मान्य विश्वविद्यालय, लाडनूं के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन को दिनांक 5 अक्टू. 2023 को आचार्य श्री वसुनन्दी जी महाराज के सान्निध्य में फरीदाबाद में आयोजित आगम निष्ठ राष्ट्रीय जैन विद्वत संगोष्ठी में आचार्य जयकीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गयो परम पूज्य आचार्य वसुनन्दी जी मुनिराज के शुभाशीर्वाद सहित और जैन विद्वानों की सन्निधि में सकल जैन समाज, फरीदाबाद की ओर से यह पुरस्कार प्रदान किया गया। जैनविद्या, प्राकृत भाषा और सहित्य के अध्ययन- अनसंधान, प्रचार-प्रसार, उन्नयन और जैन-प्राकृत जैसी प्राच्यविद्या के क्षेत्र में की गई अपूर्व सेवा के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है। सकल समाज की तरफ से उन्हें सम्मान स्वरूप प्रशस्तिपत्र, शाल एवं नगद राशि प्रदान की गई। ज्ञातव्य है कि प्रो जिनेन्द्र कुमार जैन ने जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं में लगभग 21 वर्ष तक अध्ययन, अध्यापन और अनसंधान से जुड़े रहने के बाद मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के जैनविद्या एवं प्राकृत विभाग के अध्यक्ष तथा कला महाविद्यालय के एसोसिएट डीन के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान कीं हैं । प्रो जैन भारतीय प्राकृत स्कालर्स सोसाइटी के अध्यक्ष भी हैं। आप सतत रूप से अभी जैनविद्या-प्राकृत की सेवा में संलग्न हैं इस उपलब्धि के लिए प्रो. जैन को हार्दिक बधाई।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा 21वे स्थापना दिवस पर दुर्गापुरा गौशाला में गायो को चारा एवं गुड वितरीत किया गया

जयपुर.शाबाश इंडिया। शाबाश इंडिया जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा 21वे स्थापना दिवस 5 अक्टूबर पर दुर्गापुरा गौशाला में गायो को चारा एवं गुड वितरीत किया गया कार्यक्रम में ग्रुप अध्यक्ष राहुल जैन , संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी , सुकेश काला संगठन मंत्री अनिल गदिया संयुक्त सचिव, अजय जैन, विजया काला उपस्थिति थे।

सुसंस्कार एक फ़िल्टर मशीन है : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी के तत्वावधान में गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ने अपनी अमृतमयी वाणी से जन समूह को संबोधित किया कि सुसंस्कार एक फिल्टर मशीन है ।जिस प्रकार फिल्टर मशीन जल को स्वच्छ और पीने योग्य बनाती है, उसी प्रकार सुसंस्कार व्यक्ति को पापमय गंदे आचरण से निकालकर सदाचारी बनाकर समाज में जीने योग्य बना देता है । सुसंस्कार जीवन को बहुमूल्य बना देता है।जिस प्रकार सिक्के पर मोहर होती है तो उसकी कीमत होती है , उसी प्रकार सुसंस्कार रूपी मोहर लगने से इंसान की कीमत होती है ।माताजी ने कहा कि - बच्चों को सुसंस्कारवान बनाने में सर्वप्रथम माता-पिता का उत्तरदायित्व होता है। मां बच्चे की प्रथम पाठशाला होती है।

दीक्षार्थी ब्र. सुमन दीदी ने आर्यिका विशेष मति के सानिध्य में किया सर्व शांति हेतु शान्ति विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में शुक्रवार को आर्यिका श्री 105 विशेष मति माताजी के आशीर्वाद व सानिध्य में जनकपुरी निवासी दीक्षार्थी ब्र. सुमन दीदी द्वारा दीक्षा पूर्व परिवार व समाज के साथ सर्व शान्ति हेतु वृहत शांति विधान मण्डल पूजन विधि विधान पूर्वक शान्त भाव से की गई ।इसके पूर्व अभिषेक ,शांतिधारा नितिन सचिन जैन द्वारा की गई ।प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की दीक्षार्थी ब्र. सुमन दीदी की दीक्षा ऋषब विहार दिल्ली में चातुर्मास रत आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में होना प्रस्तावित है । संगीत मय विधान विधानाचार्य शिखर चन्द किरण जैन द्वारा अर्थ समझाते हुए कराया गया जिसमे मण्डल पर 120 वलय पर श्रीफल के साथ अष्ट द्रव्य श्रावकों द्वारा समर्पित कर विधान पूजन की गई ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com